

प्रेमक,

एस0एस0वल्दिया,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल,
देहरादून।

संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कल्याण अनुभाग:

देहरादून

दिनांक

०१ अक्टूबर
सितम्बर 2008

विषय: जनपद देहरादून के विकास खण्ड चकराता के स्थान त्यूनी में मिनी स्टेडियम के निर्माण हेतु अवशेष धनावंटन के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 569/दो-विविध/ 2008-2009, दिनांक 25 अगस्त 2008 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश संख्या 33 /VI-I/2006-2(13)2006 दिनांक 03 मार्च 2007 के क्रम में जनपद देहरादून के विकास खण्ड चकराता के स्थान त्यूनी में मिनी स्टेडियम के निर्माण हेतु वित्तीय वर्ष 2008-09 में अवशेष धनराशि रु0 27.50 लाख (रु0 सत्ताईस लाख पचास हजार मात्र) आंगणन किशत के रूप में श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों के अधीन आपके निर्वहन पर रखत हुए व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(क) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म हैं, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय। कार्य के प्रगति की निरंतर समीक्षा करते हुए स्वीकृत की जा रही धनराशि का सम्पूर्ण उपयोग तथा कार्य पूर्ण किया जाना इसी वित्तीय वर्ष के अन्त तक सुनिश्चित किया जाय। विलम्ब के कारण आगणन पुनरीक्षण पर विचार नहीं किया जायेगा।

(ख) कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित कर।

(ग) आंगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई हैं, उसी मद पर व्यय किया जाए एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए।

(घ) उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती हैं कि, मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय का करने का अधिकार नहीं देता, जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्यन्धित अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। अतः व्यय करते समय मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

(ड.) शासनादेश संख्या-03/VI-I/2006-2(13)/2006 दिनांक 3.3.07 में निर्धारित सभी शर्तों का अनुपालन किया जायेगा।

(च) व्यय उसी मद में किया जायेगा जिसके लिए यह स्वीकृत किया गया है।

2. उपरोक्त व्यय अनुदान संख्या -11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक -2204- खेलकूद तथा युवा संवाय -00-001 निदेशन तथा प्रशासन -07- ग्रामीण क्षेत्रों में मिनी स्टेडियम-00--24-वृहद निर्माण कार्य क आयोजनागत पक्ष के मानक मदों के नामें डाला जायेगा।

3. उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अशा0 पत्र संख्या - 330(P)/वित्त XXXVII-(3)/2006 दिनांक 25 सितम्बर 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(एस0एस0वल्लिया)
उप सचिव

पृष्ठांकन संख्या:- 277 /VI-I/2008-2(13)2006 तददिनांकित
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय देहरादून।
- 3- निजी सचिव, मा0 युवा कल्याण मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 5- वित्त अनुभाग-3 उत्तराखण्ड शासन/नियोजन अनुभाग।
- 6- एन0आई0सी0, सचिवालय, देहरादून।
- 7- गार्ड फाईल।

आज्ञा: स

(संजीव कुमार शर्मा)
अनुसचिव